

साँवरा दौड़ा आएगा | By Kumar Deepak

जब जब दिल से तू शाम को आवाज लगाएगा
साँवरा दौड़ा आएगा
कोई आए या ना आए यह रुक ना पायेगा
साँवरा दौड़ा आएगा
जब जब दिल से तू

तू ना सोच के दूर है वह तुझ पर नजर वो रखता है
तेरी तड़प का ध्यान उसे बस वो धीर परखता है
जीवन की हर उलझन को यह खुद सुलजाएगा
साँवरा दौड़ा आएगा
जब जब दिल से तू

बनकर साथी साथ चले जीवन की हर राहों में
गिरने से पहले आकर थामेगा यह बाहों में
एक बार बुला कर देख इसे
यह कदम कदम पर तुझको विपदा से बचाएगा
साँवरा दौड़ा आएगा
जब जब दिल से तू

जग यह करे अपमान तो क्या हंसकर वह भी सह लेना
आएंगे जब श्याम प्रभु उनसे सब तू कह देना
दुनिया से तू कुछ उम्मीद ना कर
जग से तू आस लगाकर जब टोकर खाएगा
साँवरा दौड़ा आएगा
जब जब दिल से तू

माधव इतना मांग ले तू कायम लाज ताज रहे
जग रूटे पर वह नहीं तू मेरा हमराज रहे
यह श्याम मेरा अपना ही तो है
खुद तुझसे दूर कन्हैया कैसे रह पाएगा
साँवरा दौड़ा आएगा
जब जब दिल से तू

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%81%e0%a4%b5%e0%a4%b0%e0%a4%be-%e0%a4%a6%e0%a5%8c%e0%a4%a1%e0%a4%bc%e0%a4%be-%e0%a4%86%e0%a4%8f%e0%a4%97%e0%a4%be-by-kumar-deepak/>